वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अन्य उपायों के साथ-साथ निम्नोक्त उपाय किए गए हैं :—

(1) उन सभी टाइपिस्टों को जिन्हें अभी तक हिन्दी टाइपराइटिंग में प्रशिक्षित नहीं किया गया है, हिन्दी टाईपिंग का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक समयबद्ध कार्यक्रम तैयार किया गया है। इस प्रयोजन के लिए मंत्रालय में ही एक हिन्दी टाइपिंग प्रशिक्षण यूनिट आरम्भ किया गया है ।

(2) मंत्रालय में हिन्दी आशुलिपिकों के एक पूल की व्यवस्था की गई है ताकि हिन्दी में टिप्पण तथा ड्राफ्टिंग का डिक्टेशन देने के लिए अधिकारी उनकी सेवाओं का उपयोग कर सके ।

(3) मंत्रालय में तीन अनुभागों अर्थात् रोकड-1, रोकड-2 तथा स्थापना 4 सभी स्तरों पर अपना कार्य केवल हिन्दी में करने के लिए अभिज्ञात किए गए हैं ।

(4) मंत्रालय के प्रत्येक अनुभाग से ऐसी पांच फाइलें अभिज्ञात करने के लिए कहा गया है जिनमें केवल हिन्दी में कार्य किया जाए

(ग) पिछले तीन वर्षों, अर्थात् 1985, 1986 तथा 1987 (30 जून तक) के दौरान राजभाषा विभाग से 501 पत्र/आदेश आदि प्राप्त हुए तथा जहां कहीं भी अपेक्षित था, आवश्यक कार्यवाही की गई है ।

(घ) राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित प्रोफार्मा के अनुसार मानीटरिंग पद्धति में राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सचिव, अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा हिन्दी में किए गए कार्य के आंकड़ों प्रतिशत के रूप में संकलित करने की व्यवस्था नहीं है । तथापि, वे यथासंभव अधिक से अधिक सरकारी कार्य राजभाषा हिन्दी में कर रहे है ।

हिन्दी सलाहकार समिति की बैठकें

196. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :
श्री रामचन्द्र विकल :

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान हिन्दी सलाहकार समिति की कितनी बैठकों का आयोजन किया गया था उनकी संख्या और इस अवधि में वस्तुतः इस प्रकार की कितनी बैठकें आयोजित की गयीं उनकी संख्या कितनी है और अपेक्षित संख्या में बैठकों का आयोजन न किये जाने के क्या कारण है ;

(ख) पिछले 18 वर्षों के दौरान राजभाषा अधिनियम और हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में वार्षिक कार्यक्रम को लागू न करने के क्या कारण है और क्या इस कार्यक्रम को वर्ष 1987-88 के दौरान [illegible] ;

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान राजभाषा विभाग से कितने पत्र, आदेश इत्यादि प्राप्त हुए और उनके क्रियान्वयन के संबंध में वर्तमान स्थिति क्या है ; और

(घ) राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सचिव, अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा किए जाने वाले कार्यों में कितने प्रतिशत कार्य राजभाषा हिन्दी में किया जा रहा है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० नटवर सिंह) : (क) दिसम्बर, 1985 में विदेश मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के गठन के बाद इसकी पहली बैठक फरवरी, 1986 में हुई थी और तब से जून, 1987 तक तीन और बैठकें हुई है । सामान्यतः ये बैठकें, हर तीन महीने बाद होनी चाहिए और इस आधार पर अब तक छह बैठकें होनी चाहिए थी । बैठकों की तारीखें अध्यक्ष महोदय के समग्र राजकीय दायित्वों को ध्यान में रखते हुए उनकी सुविधा के अनुसार तय की गई थी ।

(ख) मंत्रालय राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों और हिन्दी के प्रभाव प्रयोग के बारे में वार्षिक कार्यक्रम को अपनी पूरी कोशिश के साथ लागू कर रहा है और हिन्दी सलाहकार समिति के गठन होने के बाद इस संबंध में किए जा रहे प्रयासों में और तेजी आई है ।

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान राजभाषा विभाग से जितने पत्र आदि प्राप्त हुए उनका वर्षवार ब्यौरा नीचे दिया गया है :

1.	1985 . . .	108
2.	1986 . . .	87
3.	1987 . . .	101

राजभाषा विभाग से प्राप्त पत्रादि मुख्यतः अनुदेश, आदेश आदि स्वरूप के जो राजभाषा नीति के कार्यान्वयन से संबंधित थे । मंत्रालय ने इन पर आवश्यक कार्यवाही की है ।

(घ) इसकी प्रतिशतता का उल्लेख करना संभव नहीं है । तथापि संबंधित अधिकारियों द्वारा अपने-अपने कार्य में राजभाषा का प्रयोग करने के बारे में राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने की भरसक कोशिश की जाती है ।

हिन्दी सलाहकार समिति की बैठकें

197. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :
श्री राम चन्द्र विकल :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले दो वर्षों के दौरान हिन्दी सलाहकार समिति की जिन बैठकों का आयोजन किया जाना था उनकी संख्या और इसी अवधि में वस्तुत : इस प्रकार की कितनी बैठकें आयोजित की गयी उनकी संख्या कितनी है और अपेक्षित संख्या में बैठकों का आयोजन न किये जाने के क्या कारण हैं ;

(ख) पिछले 18 वर्षों के दौरान राजभाषा अधिनियम और हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में वार्षिक कार्यक्रम को लाग न करने के क्या कारण हैं और क्या इस कार्यक्रम को इस वर्ष 1987–88 के दौरान लागू किया जायेगा ।

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान राजभाषा विभाग से कितने पत्र, आदेश इत्यादि प्राप्त हुए और उनके क्रियान्वयन के संबंध में वर्तमान स्थिति क्या है ; और

(घ) राजभाषा क्रियान्वयन समिति के सचिव, अध्यक्ष और सदस्यों द्वारा किये जा रहे कार्य में से कितने प्रतिशत कार्य राजभाषा हिन्दी में किया जा रहा है ?

वस्त्र मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) वस्त्र मंत्रालय एक स्वतंत्र मंत्रालय के रूप में 15–11–1985 से बनाया गया है । मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति 28 अप्रैल, 1986 को अधिसूचित की गई । समिति की बैठक तीन महीने में एक बार होनी अपेक्षित है । तथापि, कुछ प्रशासनिक परिस्थितियों की वजह से अभी तक तीन बैठकें हुई है ।

(ख) मंत्रालय राजभाषा अधिनियम और साथ ही हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के सम्बन्ध में वार्षिक कार्यक्रम को कार्यान्वित करने के लिए प्रयास करता रहा है ताकि लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके । राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अन्तर्गत आने वाले कागजात द्विभाषी रूप में जारी किए जा रहे हैं । इसके अतिरिक्त, वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अन्य उपायों के साथ–साथ निम्नोक्त उपाय किए गए हैं :—

(1) उन सभी टाइपिस्टों को, जिन्हें अभी तक हिन्दी टाइपराइटिंग में प्रशिक्षित नहीं किया गया है, हिन्दी टाइपिंग का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक समयबद्ध कायक्रम तैयार किया गया है ;